नन्हा नीला और नन्हा पीला

लेव लिओनी

नन्हा नीला और नन्हा पीला
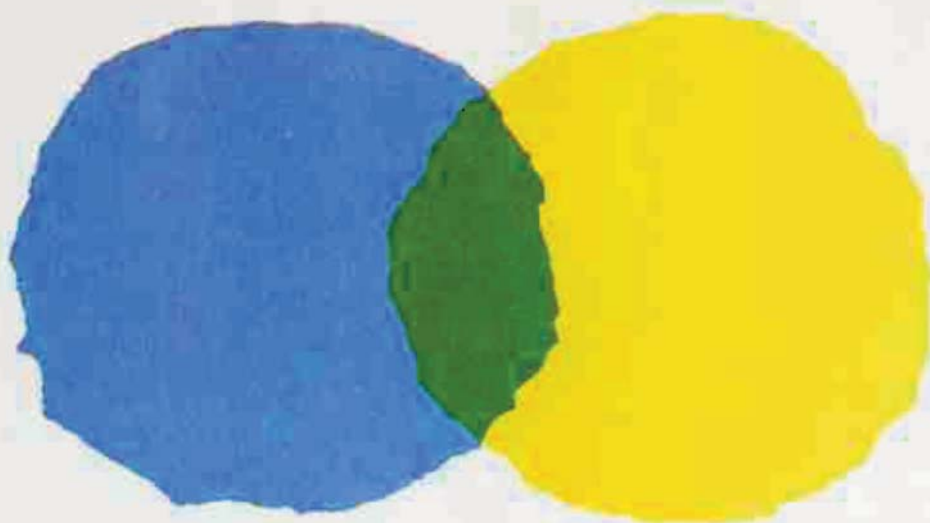
पिप्पो, एन और बहुत सारे बच्चों के लिए एक कहानी

लेव लिओनी

यह रहा नन्हा नीला
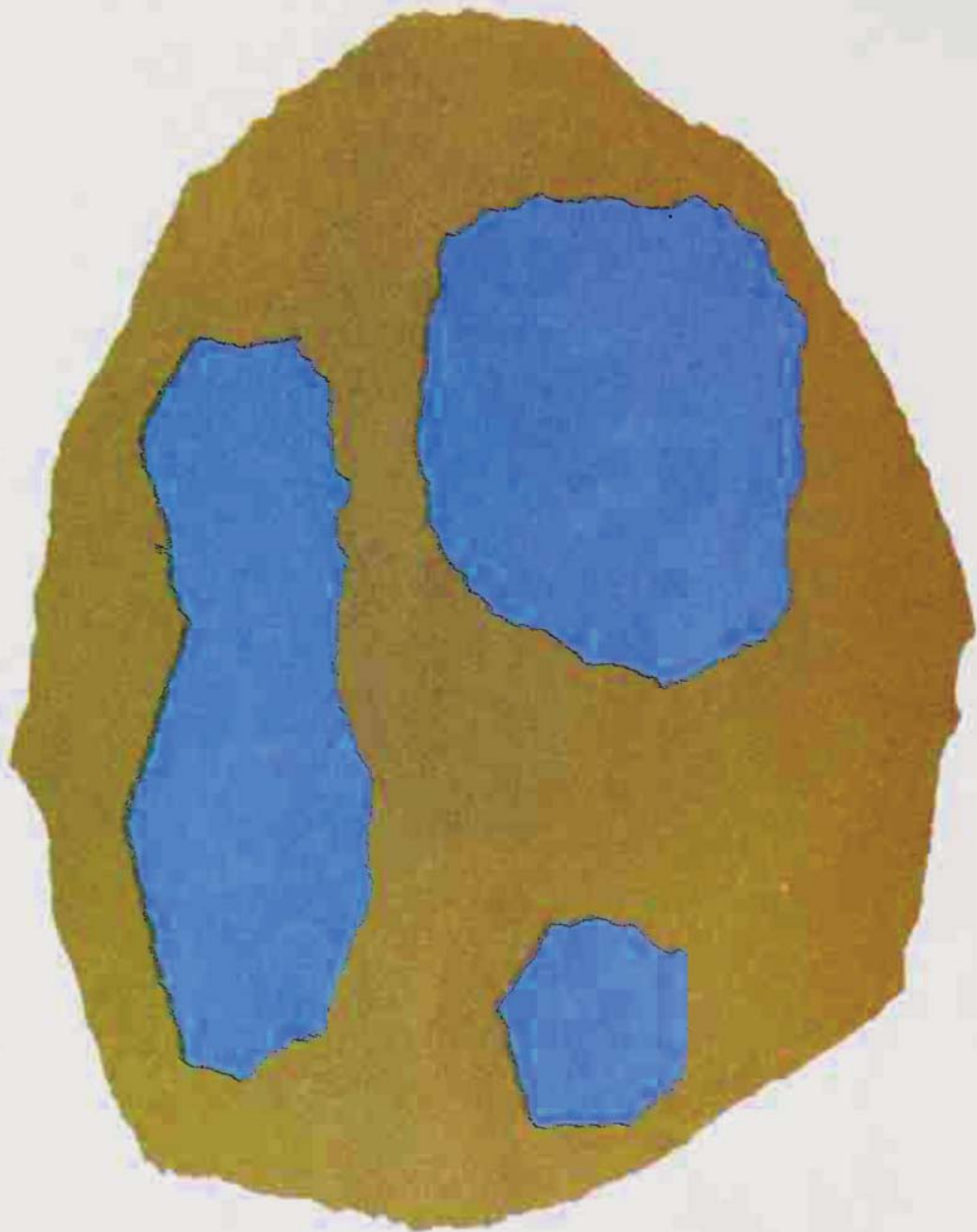
इस घर में वह अपने पापा और मम्मा के साथ रहता है.

नन्हे नीले के ढेर सारे दोस्त हैं
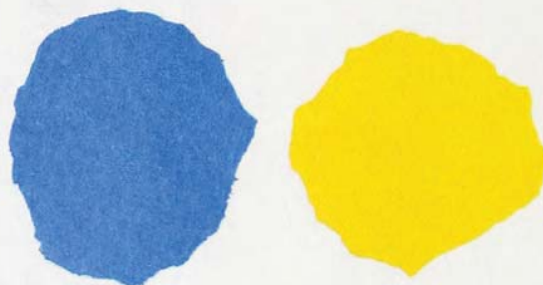
लेकिन उसका सबसे अच्छा दोस्त है नन्हा पीला

जो सड़क के उस पार रहता है.
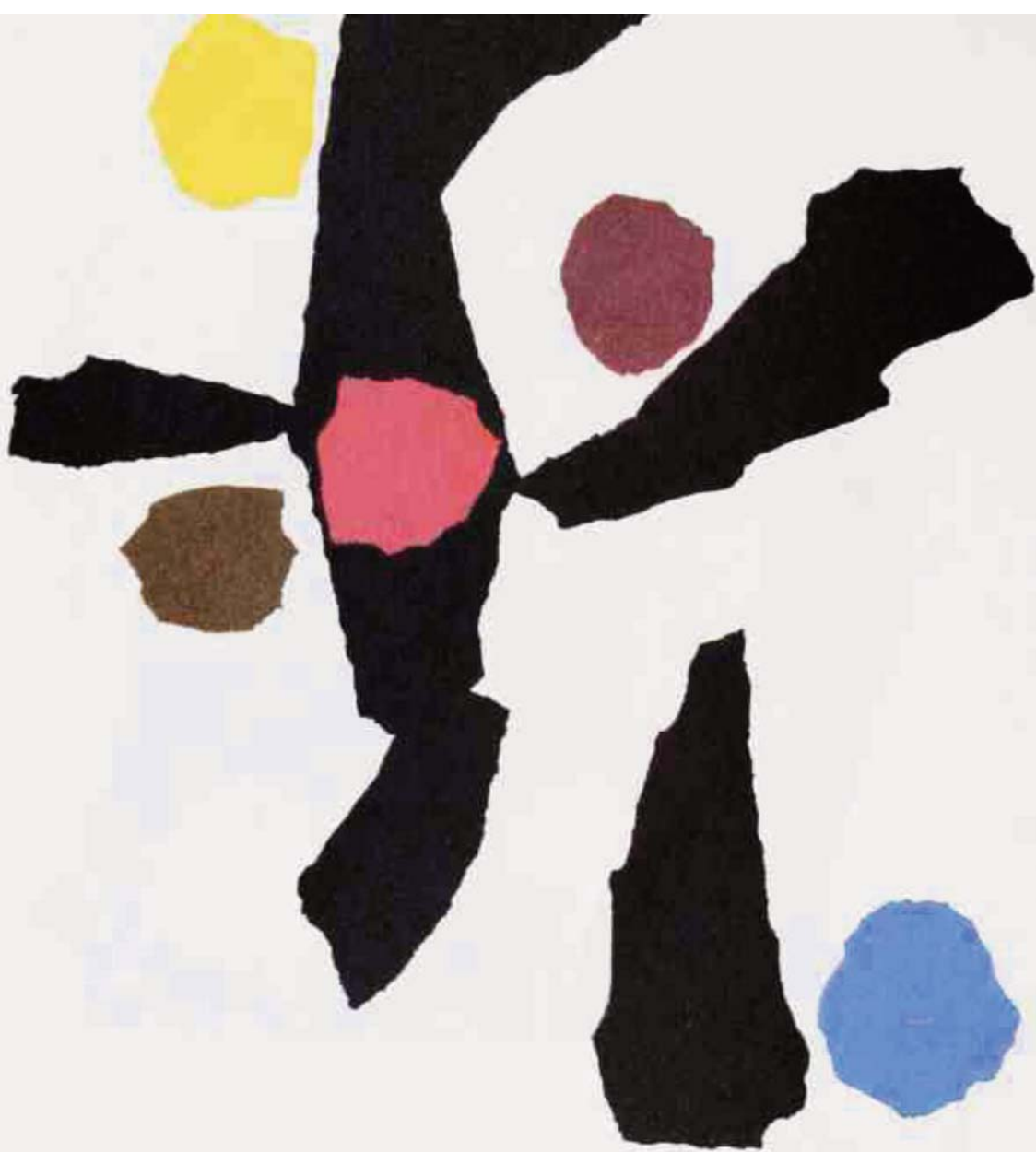
देखो वे कैसे छुपन-छुपाई का खेल खेलते हैं
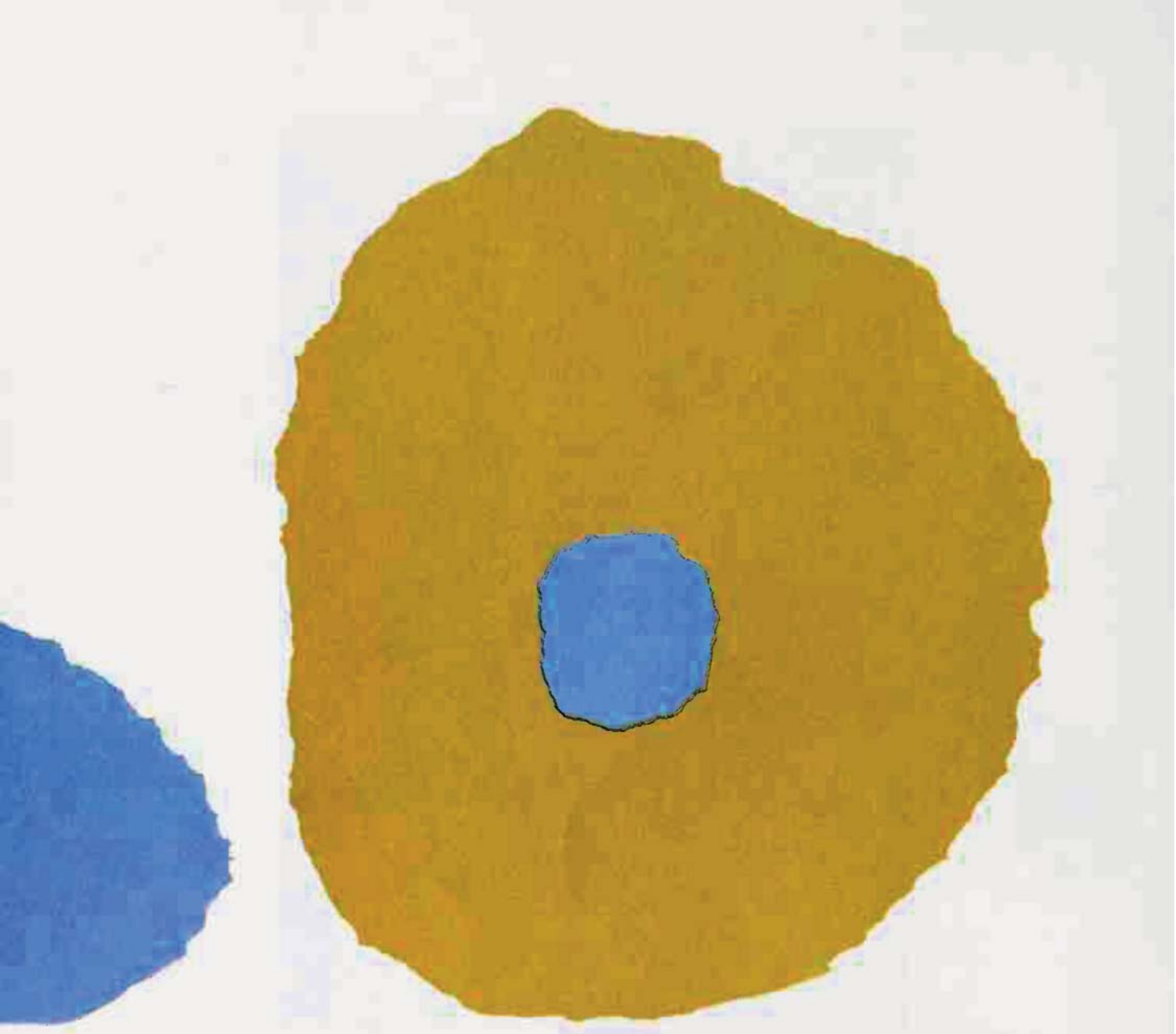
और खेलते हैं रिंगा-रिंगा-रोज!

स्कूल में वे कतार बनाकर चुपचाप बैठे रहते हैं

मगर छुट्टी की घंटी बजते ही दौड़ने और कूदने लगते हैं.

एक दिन मम्मा नीली सामान लेने बाज़ार गईं. नन्हे नीले से उन्होंने कहा,
“तुम घर पर ही रहना नन्हे.”
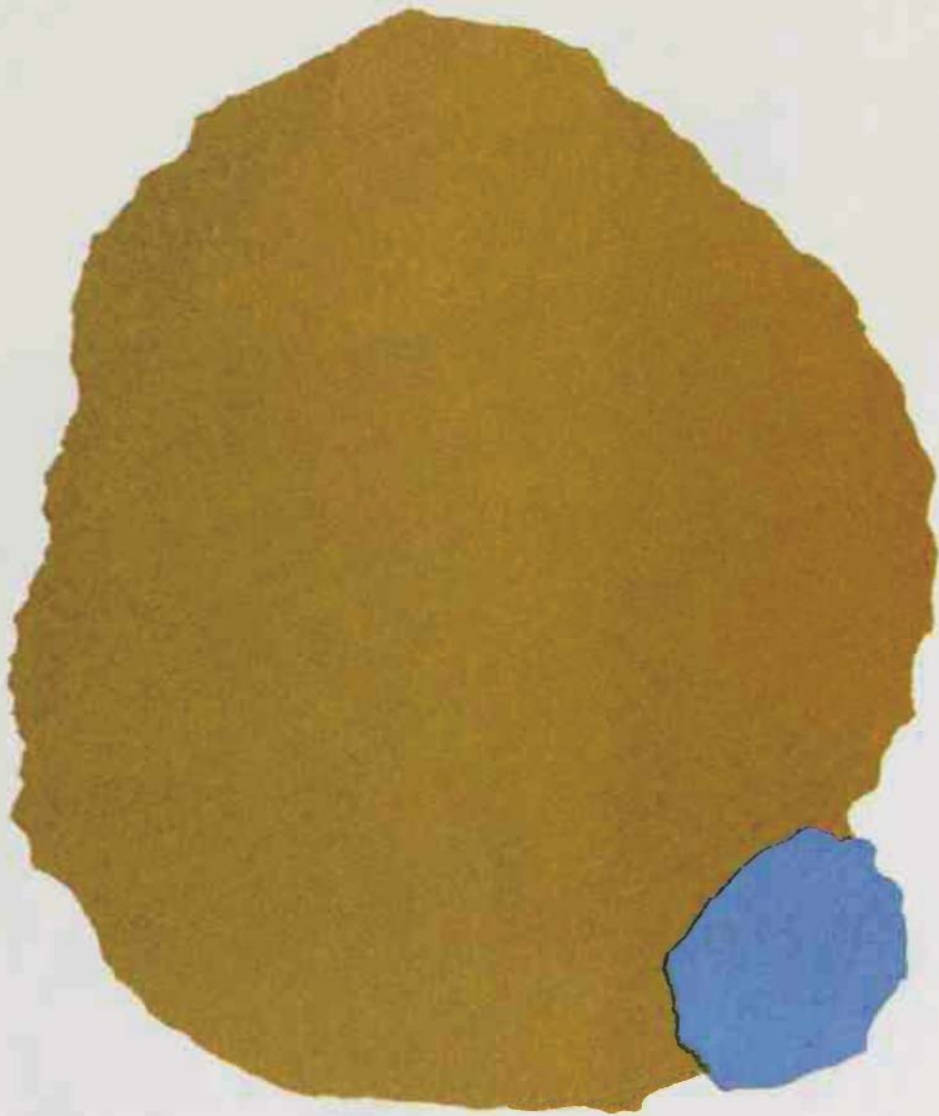
लेकिन नन्हा नीला कहां रुकने वाला था! वह नन्हे पीले को ढूंढ़ने बाहर निकल आया.
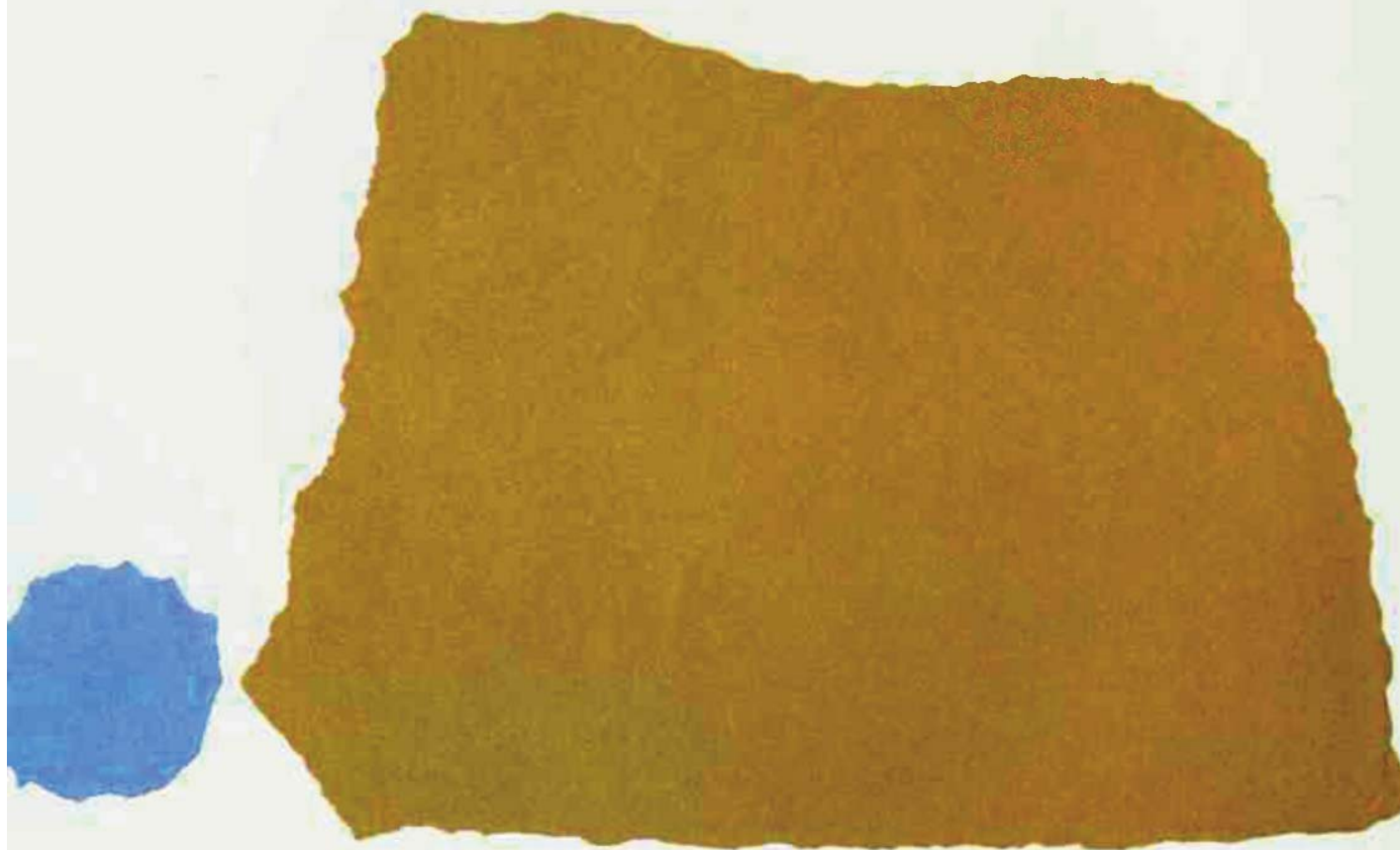
काश! सड़क के पार वाला घर खाली होता.
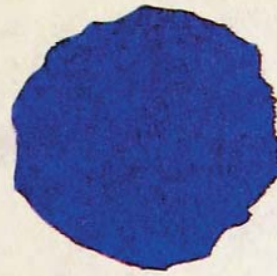
उसने यहां देखा

और वहां देखा
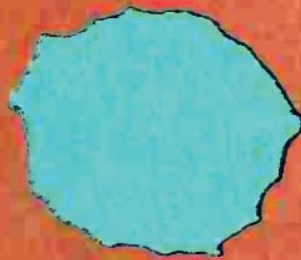
और सब जगह देखा... तभी अचानक कोने के पास

वहां उसे नन्हा पीला मिल गया!

दोनों खुशी के मारे गले मिले
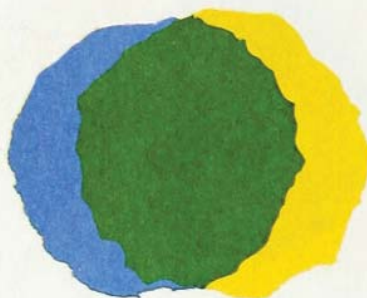
और बार-बार गले मिले

जब तक कि दोनों हरे नहीं हो गए.

इसके बाद दोनों पार्क में खेलने चले गए.

वे एक सुरंग से ग़ुजरे.

उन्होंने नन्हें नारंगी का पीछा किया.

वे पहाड़ पर चढ़े.

जब वे बुरी तरह थक गए

तो अपने घर लौट आए.
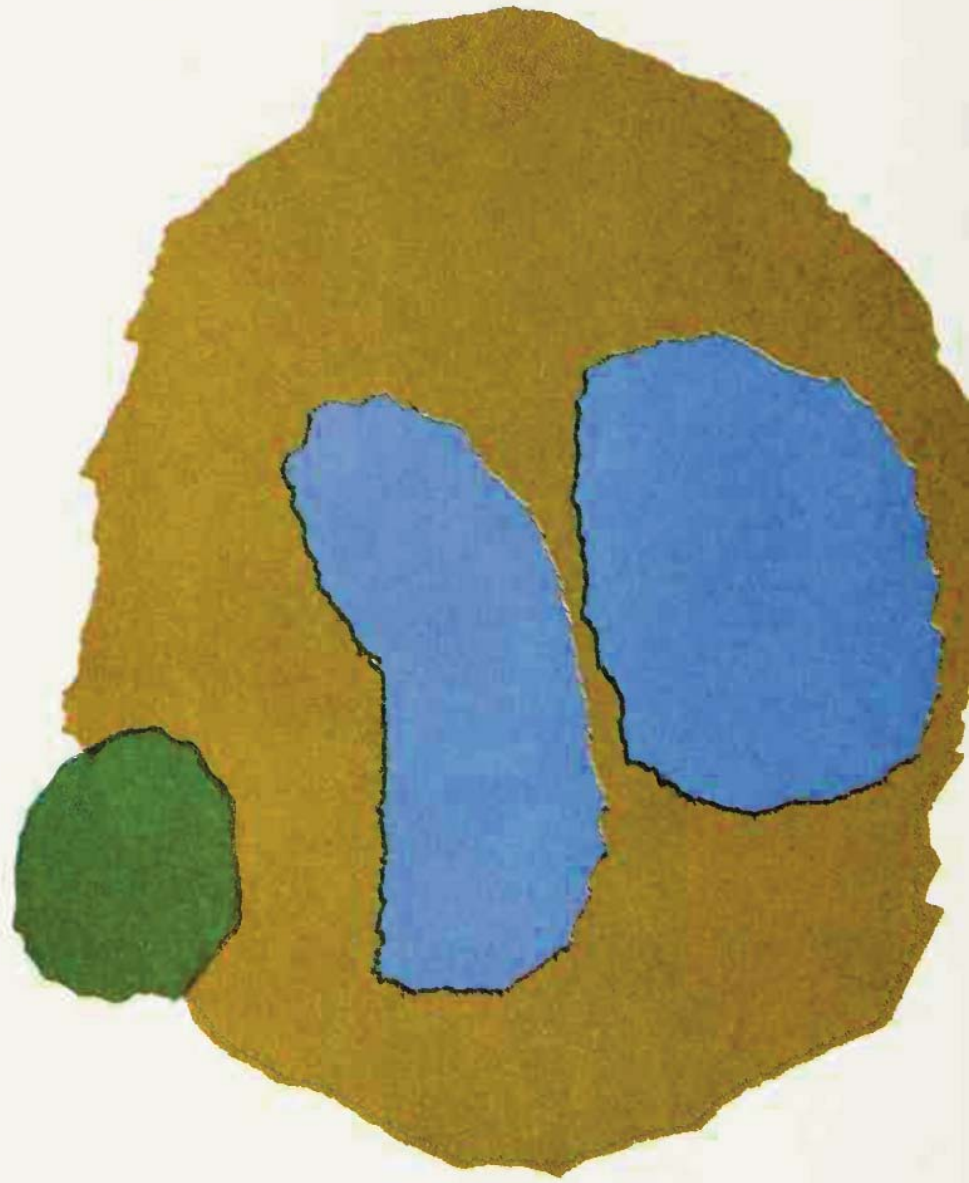
लेकिन नीले पापा और मम्मा ने कहा, "तुम हमारे नन्हे नीले नहीं हो- तुम तो हरे हो."

और पीले पापा और मम्मा ने कहा, “तुम हमारे नन्हे पीले नहीं हो- तुम तो हरे हो.”
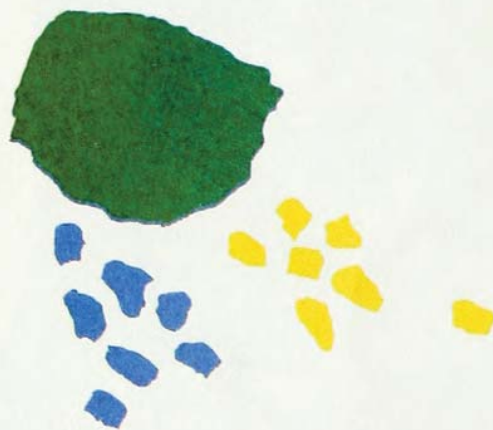
नन्हा नीला और नन्हा पीला बहुत दुःखी हुए.
दोनों बड़े-बड़े नीले और पीले आंसू बहाने लगे.
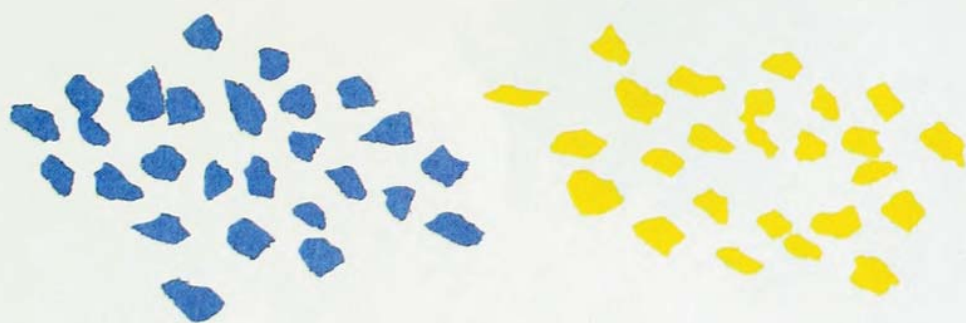
वे रोते रहे और रोते रहे जब तक कि पूरी तरह आंसुओं में नहीं बदल गए.

अंत में जब उन्होंने अपने आप को समेटा तो कहा,
"क्या वे अब हम पर विश्वास करेंगे?"

अपने नन्हे नीले को देखकर मम्मा नीली और पापा नीले बहुत खुश हुए.
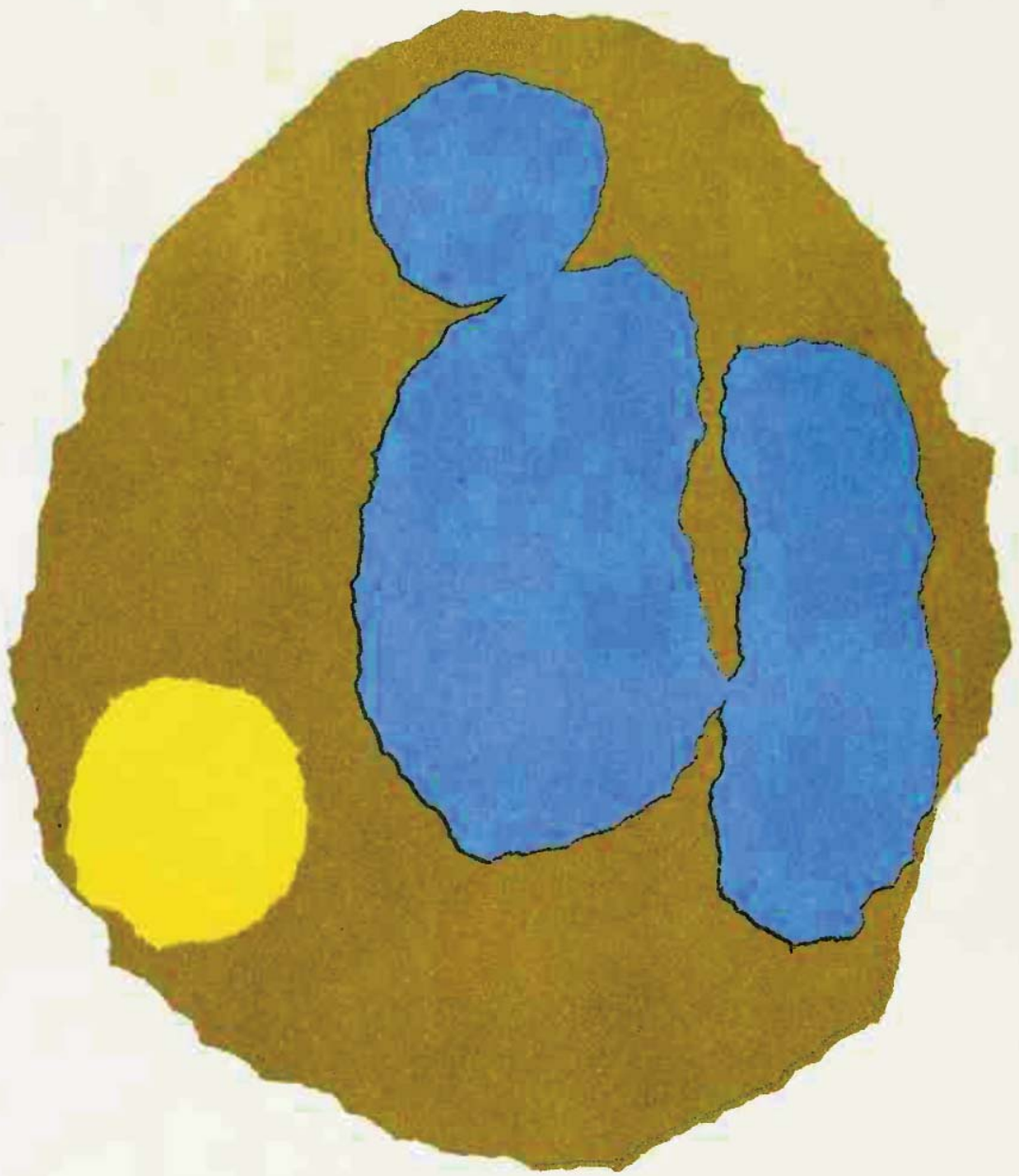
उन्होंने उसे गले लगाया और खूब सारा प्यार किया
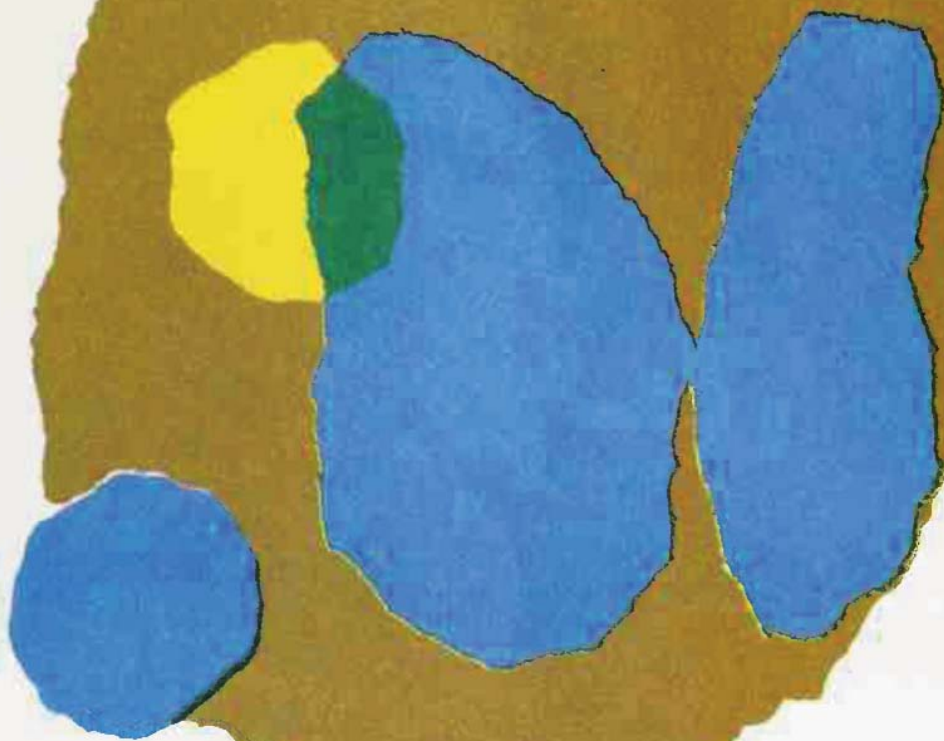
और उन्होंने नन्हे पीले को भी गले लगाया... लेकिन देखो तो..., वे हरे हो गए!

अब उनकी समझ में आया कि असल में माजरा क्या था

और इसलिए वे अच्छी खबर पहुंचाने सड़क के उस पास गए.
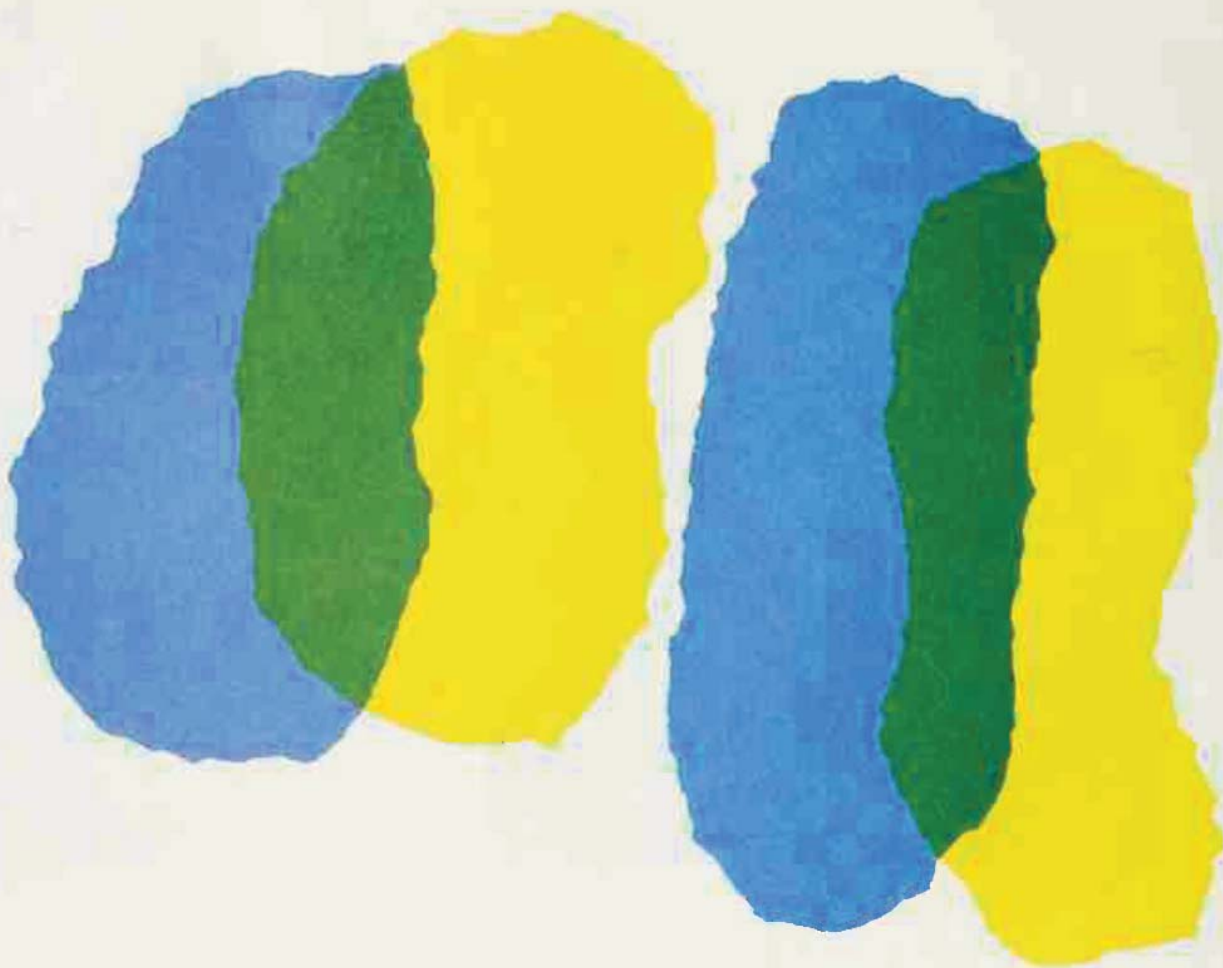
सब खुशी से एक-दूसरे से गले मिले

और फिर बच्चे तब तक खेलते रहे जब तक कि रात के खाने का समय नहीं हो गया.

समाप्त
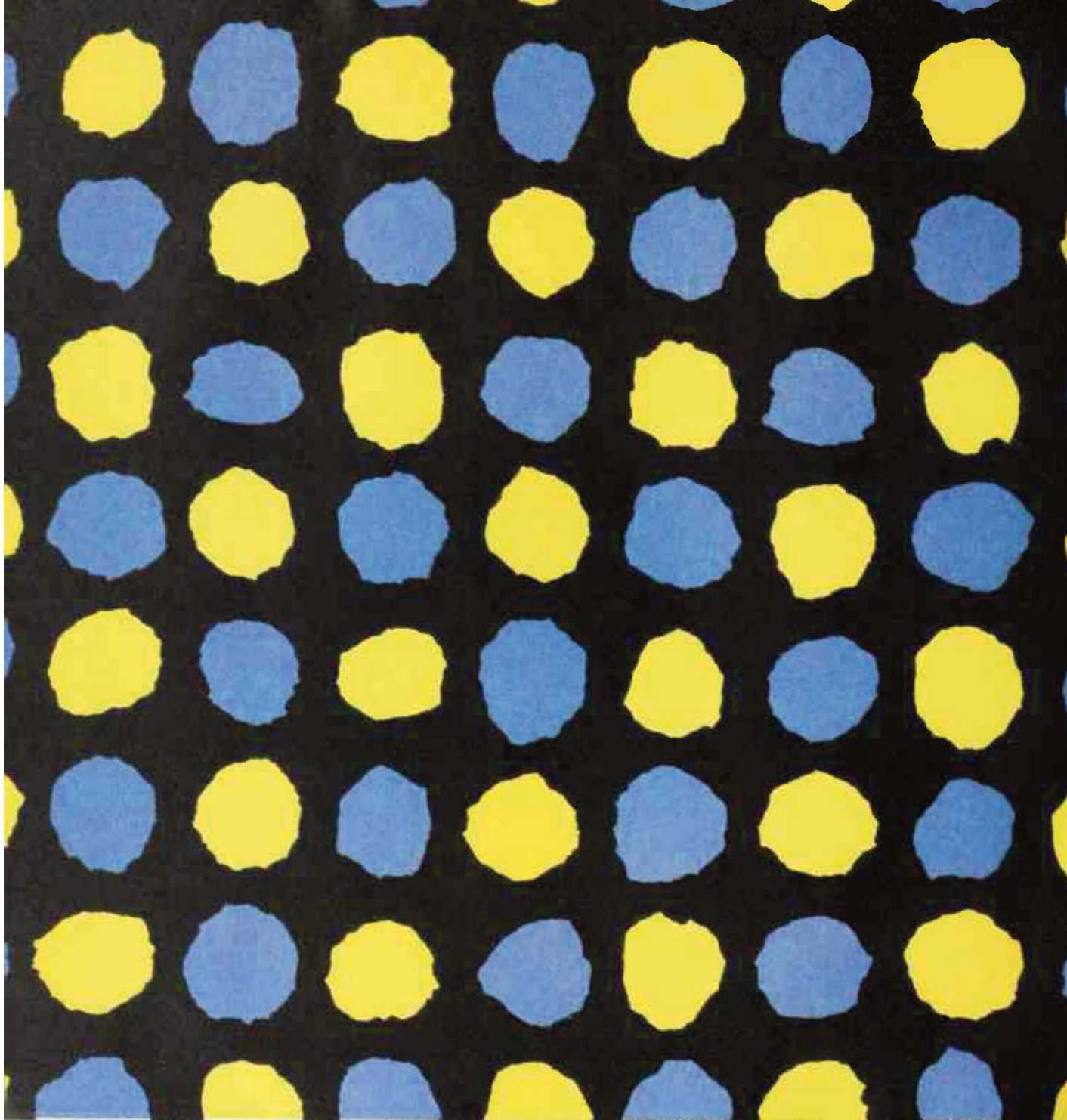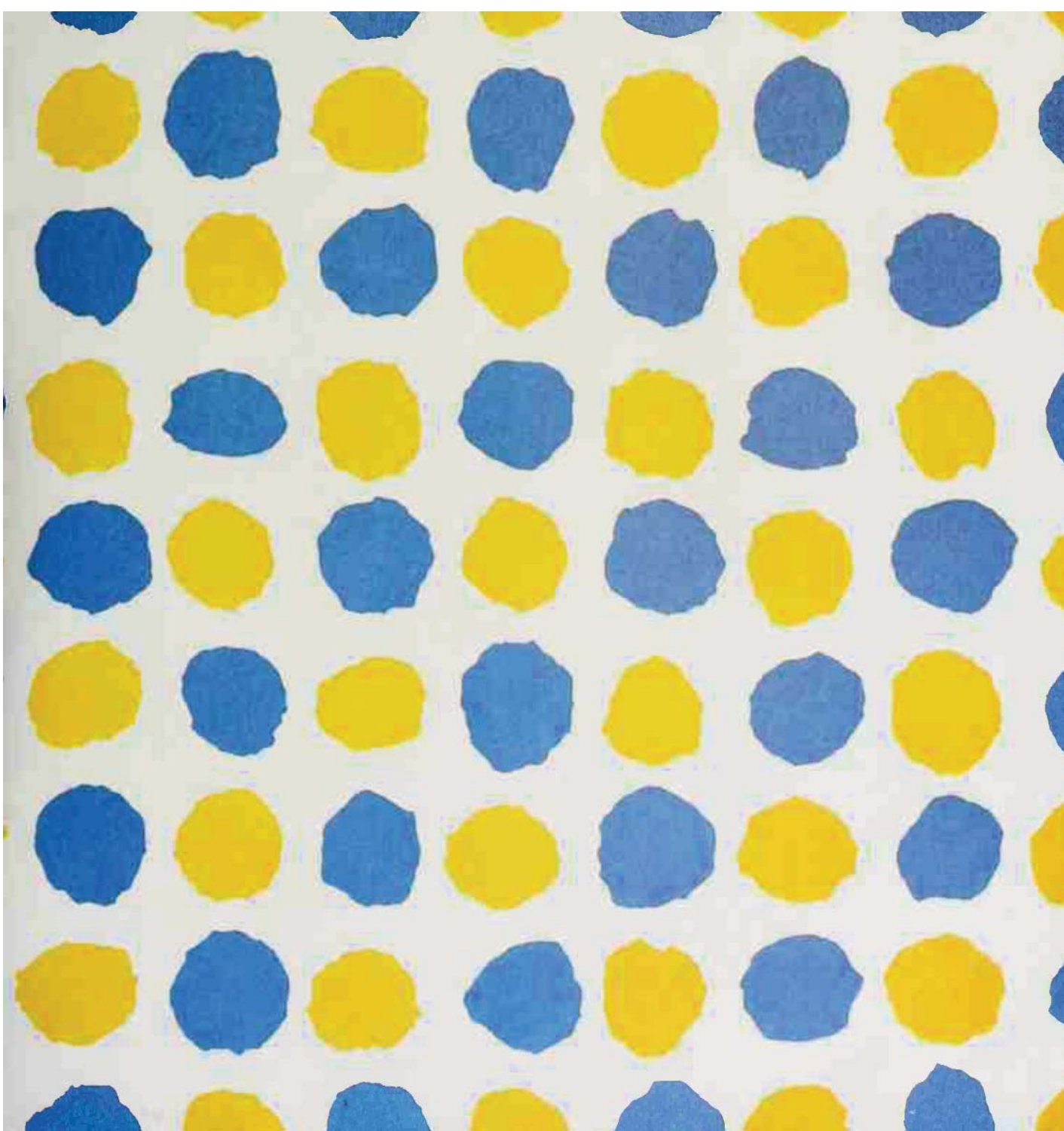
नन्हा नीला और नन्हा पीला बहुत अच्छे दोस्त हैं.
जब वे एक-दूसरे से गले मिलते हैं, तो कुछ खास हो जाता है!